होठों पे दुआ रखना,
राहों में नजर रखना,
शायद वो आ जाए,
दरवाजा खुला रखना।।

यहाँ जोर नहीं चलता,
मर्जी के मालिक हैं,
मिन्नत ही किए जाना,
फरियाद किए जाना।
होठो पे दुआ रखना,
राहों में नजर रखना,
शायद वो आ जाए,
दरवाजा खुला रखना।।

हो जाए कभी करुणा,
तशरीफ़ वो ले आए,
चरणों से लिपट रहना,
अशको से धो देना।
होठो पे दुआ रखना,
राहों में नजर रखना,
शायद वो आ जाए,
दरवाजा खुला रखना।।

शर्माना ना अपने हैं,

आवाज दिए जाना,
आंगन को सजा रखना,
फरियाद किए जाना।
होठो पे दुआ रखना,
राहों में नजर रखना,
शायद वो आ जाए,
दरवाजा खुला रखना।।

होठों पे दुआ रखना,
राहों में नजर रखना,
शायद वो आ जाए,
दरवाजा खुला रखना।।

स्वर श्री रविनंदन शास्त्री जी।
प्रेषक नितीश
9646313868

Source:
https://www.bharattemples.com/hotho-pe-dua-rakhna-rahon-pe-nazar-rakhna/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw